B.M.A COLLEGE , BAHERI,DARBHANGA
(A CONSTITUENT UNIT OF LNMU)
BA DEGREE-2
HISTORY (SUB./GEN.)
UNIT-5(B)
DEPARTMENT OF HISTORY
PANKAJ KR.MISHRA
DATE-08/09/2020

# TOPIC- असहयोग आंदोलन(1920 ई०)

## Part-2

Scanned with CamScanner

# असहयोग आंदोलन

भाग-2

## रचनात्मक कार्यक्रम

- स्वदेशी को प्रोत्साहन देना।
- तिलक कोष के लिए 1 करोड़ की राशि एकत्रित करना।
- चरखा एवं कताई बुनाई का प्रचार करना।
- राष्ट्रीय विद्यालय की स्थापना करना।
- पंचायती अदालतों की स्थापना करना।
- हिन्दू-मुस्लिम एकता को बढ़ावा देना।
- छुआछूत तथा अस्पृश्यता को मिटाना।

## कांग्रेस में संगठनात्मक परिवर्तन :-

i.) अपनी नई वचनबद्धता को पूरा करने और असहयोग आंदोलन के कार्यक्रम को सुचारु रूप से चलाने हेतु गाँधी की पहल पर कांग्रेस के संगठन में महत्वपूर्ण परिवर्तन किए गए। साथ ही उद्देश्य में भी परिवर्तन लाया गया। पहले उद्देश्य था संवैधानिक एवं वैधानिक तरीकों से स्वशासन की प्राप्ति। अब उद्देश्य था अहिंसक और उचित तरीकों से स्वराज की प्राप्ति।

ii.) कांग्रेस के रोजमर्रा के काम को देखने के लिए 15 सदस्यीय कार्यसमिति गठित की गई।

iii.) अधिक महत्वपूर्ण मसलों पर चर्चा करने के लिए 350 सदस्यीय अखिल भारतीय कमिटी बनाई गई। अब भाषाई आधार पर प्रांतीय कांग्रेस समितियों का गठन किया गया ताकि वे स्थानीय भाषाओं के प्रयोग द्वारा जनसंपर्क बनाए रखें।

iv.) गाँव, मुहल्ला, तालुका, जिला स्तर पर कांग्रेस समितियाँ गठित की गई जिससे गाँवों और कस्बों तक कांग्रेस पहुँच सके।

v.) सदस्यता शुल्क 'चार आना' सालाना कर दी गई जिससे गरीब लोग भी सदस्य बन सके।

vi.) इस प्रकार नागपुर अधिवेशन भारत के स्वतंत्रता संघर्ष के लिए मील का पत्थर साबित हुआ। इसे निम्नलिखित चार पहलुओं के संदर्भ में समझा जा सकता है— (A) परिवर्तित साधन
(B) परिवर्तित लक्ष्य

Scanned with CamScanner

Ⓒ परिवर्तित नेतृत्व

Ⓓ परिवर्तित दलीय संरचना

viii> एक विशेष अर्थ में कांग्रेस का नागपुर सत्र राजनीतिक भारत के एक बहुलतावादी ढांचे में एक केन्द्रवर्ती नेतृत्व के उदय का सूचक था।

Pankaj
08/09/2020

Scanned with CamScanner